किरण पूनिया

के आख़िरी घंटे

हिन्दी



WIZSUITE

एक जासूसी तर्क पहेली

किरण पूनिया के आख़िरी घंटे

WizSuite

Copyright © 2026 by WizSuite.

All rights reserved.

No part of this book may be reproduced in any form or by any electronic or mechanical means, including information storage and retrieval systems, without written permission from the copyright holder, except for the use of brief quotations in a book review.

Names, characters, places, and incidents are products of the author's imagination or are used fictitiously. Any resemblance to actual persons, living or dead, events, or locales is entirely coincidental.

Puzzle design & logic certification by WizardsEye — www.wizsuite.io

कॉपीराइट © 2026 WizSuite।

सर्वाधिकार सुरक्षित।

इस पुस्तक का कोई भी भाग, कॉपीराइट धारक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना, किसी भी रूप में या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक अथवा यांत्रिक माध्यम से पुनः प्रस्तुत, प्रतिलिपि या वितरित नहीं किया जा सकता। इसमें सूचना के भंडारण और पुनर्प्राप्ति की प्रणालियाँ भी शामिल हैं। हालांकि, पुस्तक की समीक्षा में संक्षिप्त उद्धरणों का उपयोग किया जा सकता है।

इस पुस्तक में उल्लिखित नाम, पात्र, स्थान और घटनाएँ लेखक की कल्पना की उपज हैं या काल्पनिक रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। वास्तविक व्यक्तियों (चाहे वे जीवित हों या दिवंगत), घटनाओं अथवा स्थानों से किसी भी प्रकार की समानता मात्र संयोग है।

पहेलियों का डिज़ाइन और उनके तर्क की प्रमाणिक जाँच:
WizardsEye — www.wizsuite.io

यह पहेली कैसे हल करें

यह एक तर्क-ग्रिड पहेली है: हर सुराग एक सच्चा बयान है, और सभी मेहमानों को बिठाने का ठीक एक ही तरीक़ा है जो एक साथ सब सुरागों पर खरा उतरता है।

हर मेहमान ठीक एक खाने में बैठता है — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक। हर पहेली के पन्ने पर बने चिह्न बताते हैं कि किन खानों में बैठा जा सकता है और कौन-से बंद हैं।

सुरागों को क्रम से एक-एक करके देखें। कुछ सुराग किसी मेहमान को सीधे किसी पंक्ति, कॉलम या कमरे में तय कर देते हैं। कुछ किसी मेहमान की जगह किसी दूसरे मेहमान या किसी निशान के हिसाब से बताते हैं — उनसे जगहें पक्की करें या ख़ारिज करें।

अंदाज़ा लगाने की कोई ज़रूरत नहीं: हर जगह सिर्फ़ सुरागों से तर्क के ज़रिए तय की जा सकती है। अगर आप अंदाज़ा लगाने लगें, तो इस्तेमाल किए हुए सुराग दोबारा पढ़ें — उनमें से कोई एक पहली नज़र से ज़्यादा जगहें ख़ारिज करता है।

छुरी तेज़ करने की सलाख की जाँच

जब शैलेंद्र बालियान की मौत हुई, तब कमरे में ठीक एक और मेहमान था।

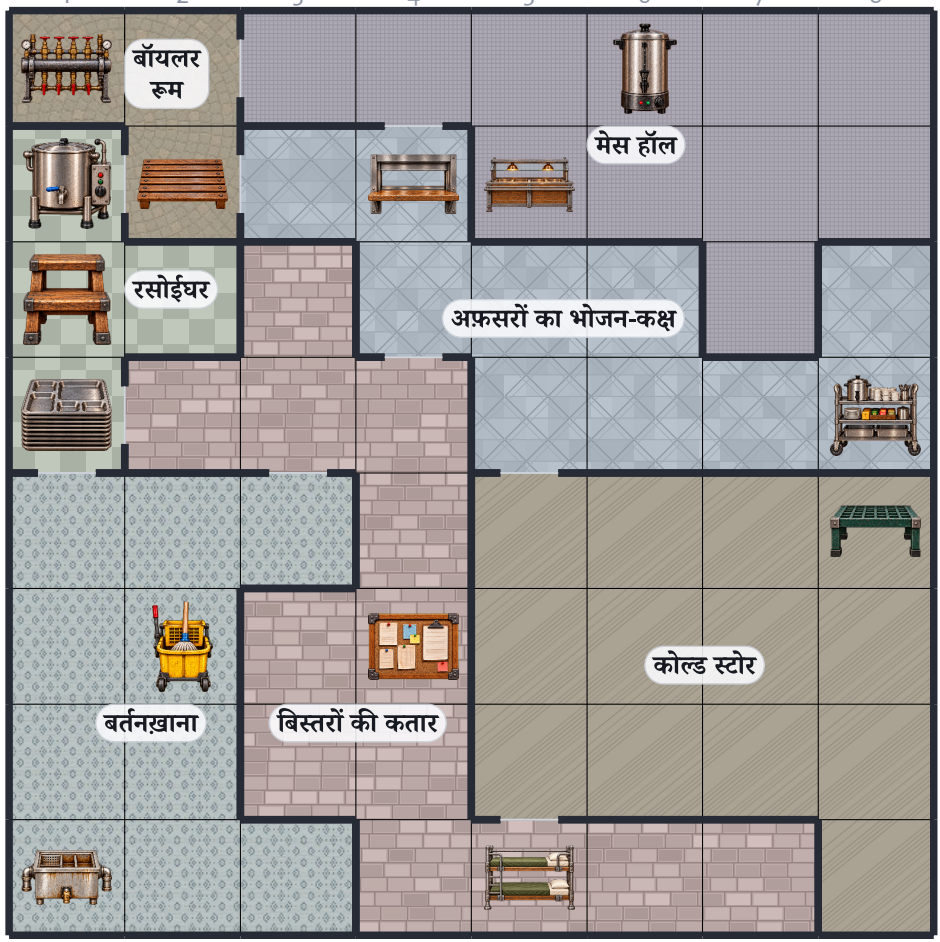
केस नंबर 1

आसान

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  बंद 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर पीड़ित का कमरा देखें: उसमें जो इकलौता दूसरा मेहमान है, क़ातिल वही है।



क़ातिल है _____



5'6"

गायत्री सांगवान

वह कॉलम 1 में थी।



6'2"

नरेश दास

वह मेस हॉल में था।



5'4"

पुष्पा डागर

वह पूरी शाम अफ़सरों के भोजन-कक्ष में थी।



5'9"

राजेंद्र कादियान

वह रसोईघर में और कॉलम 2 में मौजूद था।



6'0"

शैलेंद्र बालियान

जब हत्या हुई, तब कमरे में एक और मेहमान मौजूद था। पीड़ित की जगह गौतम के दक्षिण में थी।



5'3"

सीता गौतम

वह अफ़सरों के भोजन-कक्ष में और कॉलम 5 में मौजूद थी।



5'5"

पार्वती सहरावत

वह पंक्ति 5, कॉलम 4 में मौजूद थी।



6'3"

जितेंद्र अहलावत

वह पंक्ति 6, कॉलम 8 में मौजूद था।

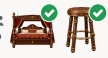
सामान के पट्टे का रहस्य

जिस कमरे में ओमप्रकाश पुरोहित की लाश मिली, वहाँ ठीक एक और मेहमान था।

केस नंबर 2

आसान

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  बंद 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर पीड़ित का कमरा देखें: उसमें जो इकलौता दूसरा मेहमान है, क़ातिल वही है।



क़ातिल है _____



5'10"

ओमप्रकाश पुरोहित

जब हत्या हुई, तब कमरे में एक और मेहमान मौजूद था।



5'9"

श्याम चक्रवर्ती

वह लॉबी में और कॉलम 2 में था।



5'7"

तनु मुखर्जी

वह खाना पकाने वाले किसी कमरे तक ही सीमित रही।



5'11"

रामकिशन नायडू

वह पंक्ति 2, कॉलम 4 में था।



6'4"

बलराम सेन

वह पंक्ति 6, कॉलम 7 में था।



5'5"

नीलम मजूमदार

वह पंक्ति 8, कॉलम 1 में और नक्शे के किसी कोने में थी।



6'2"

अवनीश राव

उसकी सीट चादरों के भंडार में थी।



5'1"

रजनी चटर्जी

उस शाम वह डाइनिंग हॉल में थी।

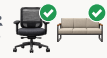
कॉर्डलेस ड्रिल से हुई हत्या

कविता जग्गी की लाश मिली। वहाँ ठीक एक और व्यक्ति मौजूद था।

केस नंबर 3

मध्यम

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  बंद 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर पीड़ित का कमरा देखें: उसमें जो इकलौता दूसरा मेहमान है, क़ातिल वही है।



क़ातिल है _____



5'10"

किशोर ओबेरॉय

वह बोर्डरूम में और कॉलम 3 में था।



5'9"

सिमरन ग्रोवर

उसके बैठने की जगह कॉलम 2 में थी।



5'11"

विमल पुरी

वह सर्वर रूम में काम की कुर्सी पर था।



5'7"

कविता जग्गी

क़त्ल के समय कमरे में एक और मेहमान मौजूद था। पीड़ित की जगह चड्ढा के पश्चिम में थी।



5'5"

शशि डोगरा

वह चाय-पानी के कमरे में और कॉलम 6 में था।



5'1"

प्रियंका चड्ढा

वह पंक्ति 4, कॉलम 7 में थी।



5'6"

अखिल भसीन

वह स्टॉक रूम में और कॉलम 4 में था।



6'0"

चेतन नौटियाल

ओपन ऑफ़िस ही वह जगह थी जहाँ वह बैठा था।

सोनम रुंगटा को किसने मारा?

सोनम रुंगटा की मौत हो चुकी है, और जिस कमरे में यह हुआ, वहाँ ठीक एक और व्यक्ति मौजूद था।

केस नंबर 4

मध्यम

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  **बंद** 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर पीड़ित का कमरा देखें: उसमें जो इकलौता दूसरा मेहमान है, क़ातिल वही है।



क़ातिल है _____



5'8"

सोनम रुंगटा

जब हत्या हुई, तब कमरे में एक और मेहमान मौजूद था। पीड़ित की जगह माहेश्वरी के उत्तर में थी।



5'10"

उदय डागा

उसे कॉलम एक में बिठाया गया था।



5'3"

मेघा कोठारी

वह किसी बाहरी दीवार के पास और किसी किताबों की अलमारी के बगल में मौजूद थी।



5'0"

गरिमा माहेश्वरी

वह पंक्ति 6, कॉलम 6 में थी।



5'11"

प्रमोद लोढ़ा

ड्राइंग रूम ही वह जगह थी जहाँ वह बैठा था।



5'5"

बबीता सेमवाल

वह बड़े बेडरूम में जाकर बैठ गई।



5'7"

मयंक मूंदड़ा

वह रसोई में, पंक्ति 3 में और लोढ़ा के पश्चिम में मौजूद था।



6'2"

देवेश उनियाल

वह पूरी शाम बाथरूम में था।

प्रदीप गोयल कांड

प्रदीप गोयल की मौत हो चुकी है, और जिस कमरे में यह हुआ, वहाँ ठीक एक और व्यक्ति मौजूद था।

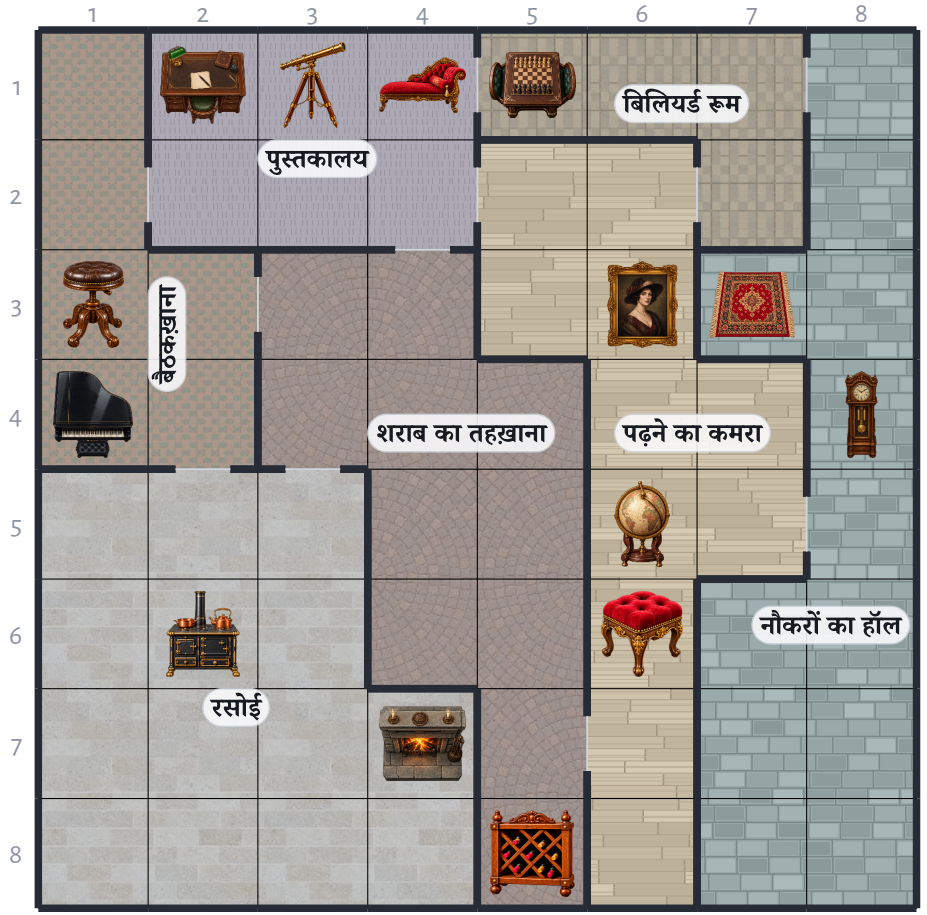
केस नंबर 5

मध्यम

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  **बंद** 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर पीड़ित का कमरा देखें: उसमें जो इकलौता दूसरा मेहमान है, क़ातिल वही है।



क़ातिल है _____



5'11"

प्रदीप गोयल

क़त्ल के समय कमरे में एक और मेहमान मौजूद था। पीड़ित की जगह तिवारी के पूर्व में थी।



6'2"

अजय दुबे

उसने बिलियर्ड रूम में जगह ले ली।



5'2"

अंजलि वर्मा

वह पुस्तकालय में और कॉलम 2 में मौजूद थी।



5'4"

प्रिया त्रिपाठी

वह रसोई में और पंक्ति 5 में थी।



5'7"

सुनीता बाजपेयी

वह पंक्ति 7, कॉलम 5 में थी।



5'5"

पूजा तिवारी

वह नौकरों के हॉल में अंगीठी की दरी पर इंतज़ार करती रही।



6'0"

दिनेश चौहान

शराब का तहख़ाना ही वह जगह थी जहाँ वह इंतज़ार कर रहा था।



5'6"

रीता गुप्ता

वह सबसे बड़े कमरे में और नक्शे के किसी कोने में थी।

सोनिया तनेजा के आख़िरी घंटे

सोनिया तनेजा की हत्या भूसे के काँटे से हुई, और वह हथियार सिर्फ़ एक ही व्यक्ति के हाथ में रहा था।

केस नंबर 6

कठिन

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं **बंद**

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर तय करें कि भूसे का काँटा किसके पास है। बैठने की व्यवस्था से यह पता नहीं चलेगा।



क़ातिल है _____



5′10″

दीपक गिल

वह कॉलम 5 में और देसाई के दक्षिण-पश्चिम में मौजूद था।



5′8″

विवेक कंसल

वह भूसे की अटारी में इंतज़ार कर रहा था।



5′9″

सोनिया तनेजा

हत्या भूसे के काँटे से हुई।



5′11″

राजीव संधू

वह सब्ज़ियों के बगीचे में, पंक्ति 3 में था।



5′5″

ज्योति पारेख

वह पंक्ति 6 में और मेहरा के पश्चिम में थी।



5′4″

दिव्या कपूर

वह भूसे की अटारी में, कॉलम 4 में और किसी बाहरी दीवार के पास मौजूद थी।



6′0″

विनोद देसाई

वह कॉलम 7 में और तनेजा के दक्षिण-पूर्व में था।



5′7″

उषा मेहरा

वह कॉलम 2 में, गिल के दक्षिण में और संधू के पश्चिम में थी।

सबूत — किसके पास क्या था

खींचने वाली ज़ंजीर · चूहे मारने की दवा की बोतल · टायर खोलने का पाना · तेल की लालटेन · बागवानी का पंजा · बाड़ का खूँटा · भूसे का काँटा · लोहे की कड़ाही

- जो पंक्ति 2 में बैठा, भूसे का काँटा उसके पास था।

प्रवीण कुमार कांड

प्रवीण कुमार की जान ट्रेकिंग की छड़ी से गई, और हथियार अपने आप चलकर वहाँ नहीं आया था।

केस नंबर 7

कठिन

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  बंद 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर तय करें कि ट्रेकिंग की छड़ी किसके पास है। बैठने की व्यवस्था से यह पता नहीं चलेगा।



क़ातिल है _____



6′0″

प्रवीण कुमार

लाश ट्रेकिंग की छड़ी के पास मिली। पीड़ित की जगह अस्थाना के उत्तर में थी।



5′1″

सुषमा नेगी

वह केबिनों की कतार में और कुमार के दक्षिण-पूर्व में थी।



5′7″

साधना पंत

वह पंक्ति 5 में बैठी हुई थी।



5′8″

नीतू अस्थाना

वह मलिक के दक्षिण में और स्टोर रूम में रुकी रही।



5′9″

सौरभ सोलंकी

वह रस्तोगी के दक्षिण-पश्चिम में और कुमार के दक्षिण-पश्चिम में मौजूद था।



5′4″

सपना मलिक

वह कॉलम 2 में, कुमार के उत्तर में और गहलोत के उत्तर में थी।



6′1″

अमन गहलोत

वह पंक्ति 2 में और रस्तोगी के पूर्व में था।



5′6″

कल्पना रस्तोगी

उसकी सीट किसी मच्छर-मार लैंप के बगल में थी।

सबूत — किसके पास क्या था

कमानी आरी · कैंप की लालटेन · छोटी कुल्हाड़ी · ट्रेकिंग की छड़ी · तीर · पैराकॉर्ड की डोरी · लोहे का भारी पतीला · सिग्नल फ़्लेयर

- जो कॉलम 6 में बैठा, ट्रेकिंग की छड़ी उसके पास थी।

चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल का रहस्य

देवेंद्र निरंजन की हत्या चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल से हुई, और वह हथियार सिर्फ़ एक ही व्यक्ति के हाथ में रहा था।

केस नंबर 8

कठिन

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  **बंद** 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर तय करें कि चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल किसके पास है। बैठने की व्यवस्था से यह पता नहीं चलेगा।



क़ातिल है _____



6'0"

योगेश शास्त्री

वह सामान रखने वाले किसी कमरे में था।



5'2"

पार्वती गौतम

वह रसोईघर में और सहरावत से तिरछे सटे खाने में मौजूद थी।



5'11"

जगदीश पूनिया

वह प्रजापति के उत्तर और पश्चिम में बैठा था।



5'10"

जितेंद्र तेवतिया

वह निरंजन के उत्तर-पूर्व में और सहरावत के पूर्व में मौजूद था।



5'5"

विमला पाल

वह सोने के लिए बने किसी कमरे में और निरंजन के दक्षिण-पश्चिम में मौजूद थी।



5'9"

लक्ष्मी प्रजापति

वह कॉलम 7 में और शास्त्री के उत्तर-पूर्व में मौजूद थी।



5'7"

देवेंद्र निरंजन

लाश चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल के ठीक बगल में मिली।



6'2"

महेंद्र सहरावत

उसकी सीट किसी बॉयलर के मैनिफ़ोल्ड के बगल में थी।

सबूत — किसके पास क्या था

आग बुझाने का सिलेंडर · आलू मसलने का दस्ता · ओवन क्लीनर का डिब्बा · चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल · छुरी तेज़ करने की सलाख · ब्रेड की छुरी · मांस का बड़ा छुरा · राइफ़ल का पट्टा

- चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल पंक्ति 8 में थी।

डिजिटैलिस की शीशी का झमेला

शोभा बोस की जान डिजिटैलिस की शीशी से गई, और कमरे में गवाह मौजूद थे।

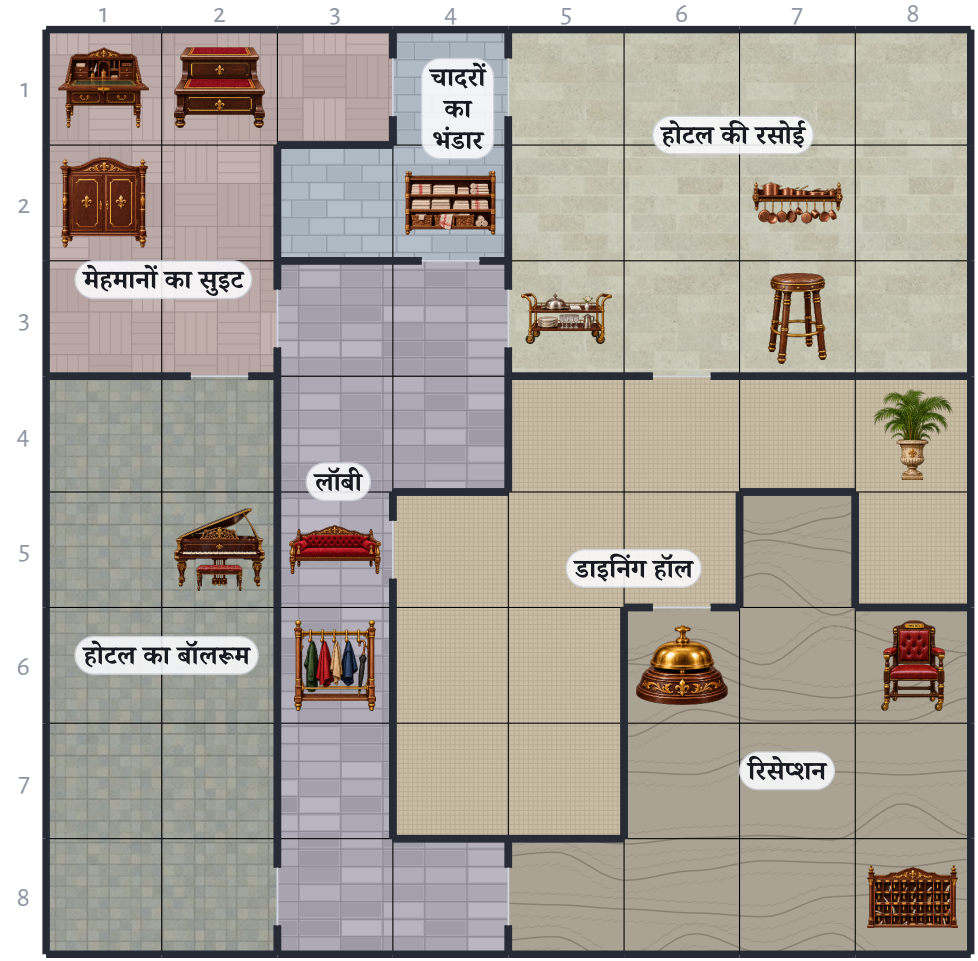
केस नंबर 9

विशेषज्ञ

कैसे हल करें

मेहमान यहाँ हो सकते हैं  बंद 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर पीड़ित के कमरे पर ध्यान दें और पता लगाएँ कि डिजिटैलिस की शीशी किसके पास है।



क़ातिल है _____



5'11"

बलराम जाधव

वह पंक्ति दो में बैठा हुआ था।



5'5"

शोभा बोस

लाश भरे कमरे में डिजिटैलिस की शीशी के पास मिली। पीड़ित की जगह बनर्जी के पश्चिम में थी।



5'9"

श्याम नायर

वह डाइनिंग हॉल में और बोस के दक्षिण-पूर्व में मौजूद था।



5'6"

ईशा भोसले

वह पंक्ति 8 में और नायडू के पश्चिम में मौजूद थी।



5'8"

रामकिशन नायडू

वह किसी बाहरी दीवार के पास और बोस के पश्चिम में मौजूद था।



6'2"

हरि शिंदे

वह पंक्ति 4 में और किसी बाहरी दीवार के पास मौजूद था।



5'7"

सुधा मेहरा

जाधव की तरह वह भी होटल की रसोई में बैठी थी।



5'10"

मोहन बनर्जी

वह किसी गमले में लगे पाम के बगल में बैठा था।

सबूत — किसके पास क्या था

टेकने की छड़ी · डिजिटैलिस की शीशी · नींद की दवा की शीशी · परदे की रस्सी · बर्फ़ तोड़ने का सूआ · भाप वाली इस्त्री · रेशमी मोज़ा · सुराही का भारी डाट

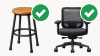
- मेहमानों के सुइट में किसी के पास बर्फ़ तोड़ने का सूआ था।
- परदे की रस्सी दूसरे सबसे लंबे मेहमान के हाथ में थी।
- भाप वाली इस्त्री शोभा बोस की अपनी थी।
- जो पंक्ति 7 में बैठा, डिजिटैलिस की शीशी उसके पास थी।
- होटल की रसोई में किसी के पास नींद की दवा की शीशी थी।
- पंक्ति 5 वाले मेहमान के पास टेकने की छड़ी थी।
- सुराही का भारी डाट दूसरे कॉलम में था।

भारी स्टेपलर का झमेला

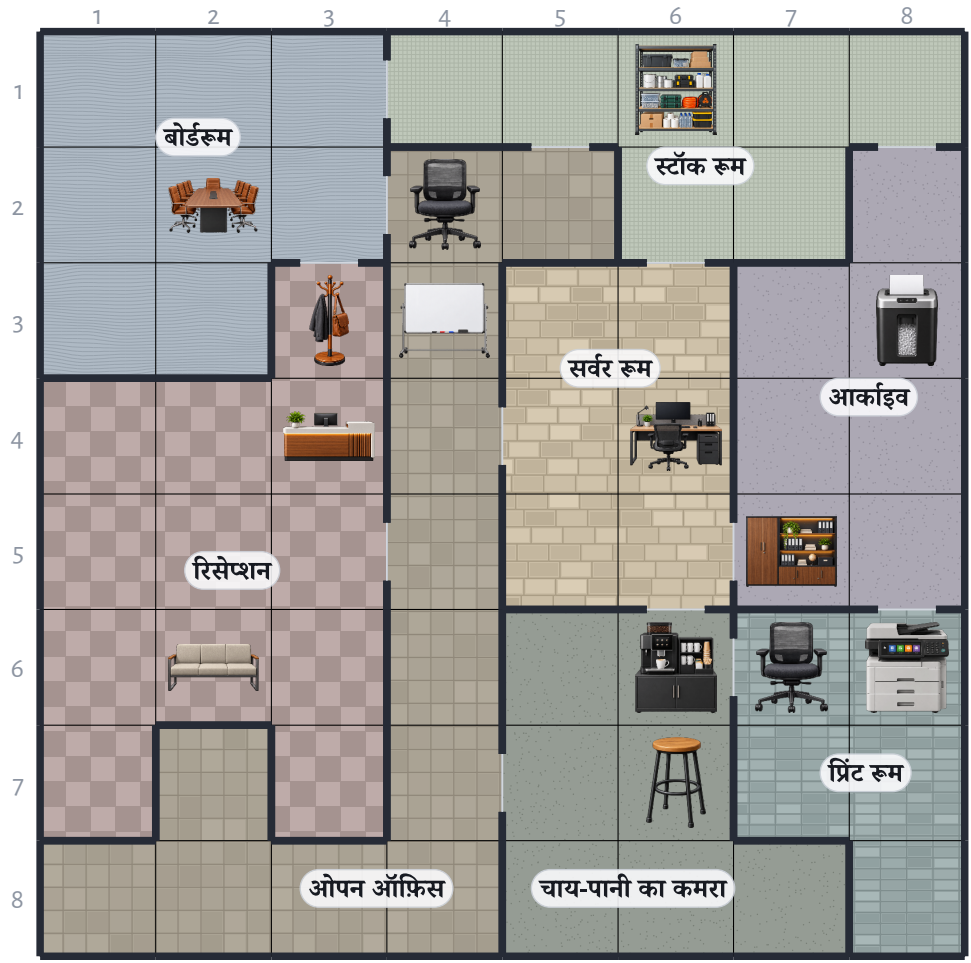
कपिल भसीन की मौत दूसरों की मौजूदगी में हुई। बाकी कहानी भारी स्टेपलर से खुलती है।

केस नंबर 10

विशेषज्ञ

कैसे हल करें — मेहमान यहाँ हो सकते हैं  बंद 

1. सभी 8 मेहमानों को बिठाएँ — हर पंक्ति में एक, हर कॉलम में एक, और सिर्फ़ खाली खानों पर।
2. कार्ड पर लिखी हर बात सच है। जिस मेहमान का कोई बयान नहीं, उसकी जगह बाकी संभावनाएँ काटकर तय करें।
3. फिर पीड़ित के कमरे पर ध्यान दें और पता लगाएँ कि भारी स्टेपलर किसके पास है।



क़ातिल है _____



5'11"

अखिल लांबा

वह पंक्ति 2 में, किसी बाहरी दीवार के पास और अग्निहोत्री के पूर्व में था।



6'0"

अनुज ग्रोवर

वह पंक्ति 4 में और भसीन के उत्तर-पूर्व में था।



5'10"

गगन बजाज

वह आठवीं पंक्ति में जाकर बैठ गया।



5'5"

अंकिता वाधवा

वह कॉलम 3 में और भसीन के उत्तर में थी।



5'9"

कपिल भसीन

लाश भरे कमरे में भारी स्टेपलर के पास मिली। पीड़ित की जगह बजाज के उत्तर में थी।



5'8"

राखी चावला

वह कॉलम 4 में और लांबा के उत्तर में मौजूद थी।



6'3"

किशोर अग्निहोत्री

सबसे लंबा मेहमान आर्काइव में बैठा हुआ था।



5'1"

भावना वोहरा

वह पंक्ति 6 में और वाधवा से तिरछे सटे खाने में मौजूद थी।

सबूत — किसके पास क्या था

चीनी मिट्टी का मग · टेप डिस्पेंसर · दमकल की कुल्हाड़ी · नेटवर्क केबल का लच्छा · भारी स्टेपलर · लैपटॉप चार्जर का तार · वाटर कूलर की बोतल · सॉल्वेंट का डिब्बा

- पाँचवें सबसे लंबे मेहमान के पास लैपटॉप चार्जर का तार था।
- भावना वोहरा भारी स्टेपलर लिए हुए नहीं थी।
- जो पंक्ति 3 में बैठा, सॉल्वेंट का डिब्बा उसके पास था।
- चाय-पानी के कमरे में किसी के पास वाटर कूलर की बोतल थी।
- चीनी मिट्टी का मग पंक्ति 2 में था।
- नेटवर्क केबल का लच्छा सर्वर रूम में था।
- दमकल की कुल्हाड़ी पंक्ति 1 में थी।

संकेत

हर संकेत एक और मेहमान की जगह तय करता है, उसी क्रम में जिसमें पहेली सचमुच हल होती है। उतना ही पढ़ें जितना ज़रूरी हो — आगे का कोई क़दम ऐसे क़दम पर निर्भर नहीं जहाँ तक आप अभी नहीं पहुँचे।

पहेली 1 — छुरी तेज़ करने की सलाख की जाँच

1. राजेंद्र कादियान पंक्ति 3, कॉलम 2 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

पहेली 2 — सामान के पट्टे का रहस्य

1. रामकिशन नायडू पंक्ति 2, कॉलम 4 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

पहेली 3 — कॉर्डलेस ड्रिल से हुई हत्या

1. विमल पुरी पंक्ति 2, कॉलम 8 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

पहेली 4 — सोनम रुंगटा को किसने मारा?

1. मेघा कोठारी पंक्ति 1, कॉलम 3 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

पहेली 5 — प्रदीप गोयल कांड

1. अंजलि वर्मा पंक्ति 2, कॉलम 2 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

पहेली 6 — सोनिया तनेजा के आख़िरी घंटे

1. राजीव संधू पंक्ति 3, कॉलम 8 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

पहेली 7 — प्रवीण कुमार कांड

1. सपना मलिक पंक्ति 1, कॉलम 2 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

पहेली 8 — चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल का रहस्य

1. पार्वती गौतम पंक्ति 4, कॉलम 5 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

पहेली 9 — डिजिटैलिस की शीशी का झमेला

1. हरि शिंदे पंक्ति 4, कॉलम 1 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

पहेली 10 — भारी स्टेपलर का झमेला

1. राखी चावला पंक्ति 1, कॉलम 4 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

पहेलियों के हल

नीचे हर हल अपनी पहेली की एकमात्र सही व्यवस्था है — बैठने की कोई और व्यवस्था सभी सुरागों के आगे नहीं टिकती।

पहेली 1 — छुरी तेज़ करने की सलाख की जाँच

क़ातिल: पार्वती सहरावत — बिस्तरों की कतार में पीड़ित के अलावा सिर्फ़ एक मेहमान था: पार्वती सहरावत। पीड़ित: शैलेंद्र बालियान, हत्या छुरी तेज़ करने की सलाख से।

नरेश दास — पंक्ति 1, कॉलम 7 (मेस हॉल), हाथ में: लोहे का तवा

पुष्पा डागर — पंक्ति 2, कॉलम 3 (अफ़सरों का भोजन-कक्ष), हाथ में: ओवन क्लीनर का डिब्बा

राजेंद्र कादियान — पंक्ति 3, कॉलम 2 (रसोईघर), हाथ में: मांस कूटने की मुँगरी

सीता गौतम — पंक्ति 4, कॉलम 5 (अफ़सरों का भोजन-कक्ष), हाथ में: आटे की बोरी

पार्वती सहरावत — पंक्ति 5, कॉलम 4 (बिस्तरों की कतार), हाथ में: छुरी तेज़ करने की सलाख

जितेंद्र अहलावत — पंक्ति 6, कॉलम 8 (कोल्ड स्टोर), हाथ में: बेलन

गायत्री सांगवान — पंक्ति 7, कॉलम 1 (बर्तनख़ाना), हाथ में: मांस का बड़ा काँटा

शैलेंद्र बालियान — पंक्ति 8, कॉलम 6 (बिस्तरों की कतार), हाथ में: कास्टिक सोडे का डिब्बा

प्रमाणित आसान — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 8 जाँची गईं)।

इसे सुरागों को एक-एक करके पढ़कर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना — हर सुराग को ज्यों का त्यों मानकर अकेले इस्तेमाल किया जा सकता है।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना और छँटाई। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 3 की है।

पहेली 2 — सामान के पट्टे का रहस्य

क़ातिल: रामकिशन नायडू — होटल के तहख़ाने में पीड़ित के अलावा सिर्फ़ एक मेहमान था: रामकिशन नायडू। पीड़ित: ओमप्रकाश पुरोहित, हत्या सामान के पट्टे से।

ओमप्रकाश पुरोहित — पंक्ति 1, कॉलम 3 (होटल का तहख़ाना), हाथ में: मांस का बड़ा काँटा

रामकिशन नायडू — पंक्ति 2, कॉलम 4 (होटल का तहख़ाना), हाथ में: सामान का पट्टा

श्याम चक्रवर्ती — पंक्ति 3, कॉलम 2 (लॉबी), हाथ में: पीतल का लैंप-स्टैंड

तनु मुखर्जी — पंक्ति 4, कॉलम 6 (होटल की रसोई), हाथ में: बर्फ़ तोड़ने का सूआ

अवनीश राव — पंक्ति 5, कॉलम 8 (चादरों का भंडार), हाथ में: कमरे की पीतल की चाबी

बलराम सेन — पंक्ति 6, कॉलम 7 (चादरों का भंडार), हाथ में: ईथर की बोतल

रजनी चटर्जी — पंक्ति 7, कॉलम 5 (डाइनिंग हॉल), हाथ में: सर्विस रिवॉल्वर

नीलम मजूमदार — पंक्ति 8, कॉलम 1 (होटल का बॉलरूम), हाथ में: रेशमी टाई

प्रमाणित आसान — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 8 जाँची गईं)।

इसे सुरागों को एक-एक करके पढ़कर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना — हर सुराग को ज्यों का त्यों मानकर अकेले इस्तेमाल किया जा सकता है।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना और छँटाई। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 3 की है।

पहेली 3 — कॉर्डलेस ड्रिल से हुई हत्या

क़ातिल: अखिल भसीन — स्टॉक रूम में पीड़ित के अलावा सिर्फ़ एक मेहमान था: अखिल भसीन। पीड़ित: कविता जग्गी, हत्या कॉर्डलेस ड्रिल से।

सिमरन ग्रोवर — पंक्ति 1, कॉलम 2 (रिसेप्शन), हाथ में: कागज़ कटर का ब्लेड

विमल पुरी — पंक्ति 2, कॉलम 8 (सर्वर रूम), हाथ में: दफ़्तर की कैंची

शशि डोगरा — पंक्ति 3, कॉलम 6 (चाय-पानी का कमरा), हाथ में: वाटर कूलर की बोतल

प्रियंका चड्ढा — पंक्ति 4, कॉलम 7 (प्रिंट रूम), हाथ में: मॉनिटर स्टैंड

चेतन नौटियाल — पंक्ति 5, कॉलम 1 (ओपन ऑफ़िस), हाथ में: गोल्फ़ पटर

किशोर ओबेरॉय — पंक्ति 6, कॉलम 3 (बोर्डरूम), हाथ में: ब्लीच की बोतल

अखिल भसीन — पंक्ति 7, कॉलम 4 (स्टॉक रूम), हाथ में: कॉर्डलेस ड्रिल

कविता जग्गी — पंक्ति 8, कॉलम 5 (स्टॉक रूम), हाथ में: दमकल की कुल्हाड़ी

प्रमाणित मध्यम — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 9 जाँची गईं)।

इसे सुरागों से ख़ारिज होने वाली जगहें काटकर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए मध्यम का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना और छँटाई। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 1 की है।

पहेली 4 — सोनम रुंगटा को किसने मारा?

क़ातिल: मेघा कोठारी — पढ़ने के कमरे में पीड़ित के अलावा सिर्फ़ एक मेहमान था: मेघा कोठारी। पीड़ित: सोनम रुंगटा, हत्या क्रिकेट के बल्ले से।

मेघा कोठारी — पंक्ति 1, कॉलम 3 (पढ़ने का कमरा), हाथ में: क्रिकेट का बल्ला

बबीता सेमवाल — पंक्ति 2, कॉलम 7 (बड़ा बेडरूम), हाथ में: साइकिल की चेन

मयंक मूंदड़ा — पंक्ति 3, कॉलम 4 (रसोई), हाथ में: रसोई की कैंची

सोनम रुंगटा — पंक्ति 4, कॉलम 2 (पढ़ने का कमरा), हाथ में: डम्बल

देवेश उनियाल — पंक्ति 5, कॉलम 5 (बाथरूम), हाथ में: परदा बाँधने की डोरी

गरिमा माहेश्वरी — पंक्ति 6, कॉलम 6 (बाथरूम), हाथ में: नींद की गोलियों की शीशी

प्रमोद लोढ़ा — पंक्ति 7, कॉलम 8 (ड्राइंग रूम), हाथ में: भारी पतीली

उदय डागा — पंक्ति 8, कॉलम 1 (डाइनिंग हॉल), हाथ में: लोहे का फ़्राइंग पैन

प्रमाणित मध्यम — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 11 जाँची गई)।

इसे सुरागों से ख़ारिज होने वाली जगहें काटकर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए मध्यम का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना और छँटाई। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 1 की है।

पहेली 5 — प्रदीप गोयल कांड

क़ातिल: पूजा तिवारी — नौकरों के हॉल में पीड़ित के अलावा सिर्फ़ एक मेहमान था: पूजा तिवारी। पीड़ित: प्रदीप गोयल, हत्या पीतल के डोरस्टॉप से।

अजय दुबे — पंक्ति 1, कॉलम 6 (बिलियर्ड रूम), हाथ में: परदे की डोरी

अंजलि वर्मा — पंक्ति 2, कॉलम 2 (पुस्तकालय), हाथ में: मांस काटने की छुरी

पूजा तिवारी — पंक्ति 3, कॉलम 7 (नौकरों का हॉल), हाथ में: पीतल का डोरस्टॉप

दिनेश चौहान — पंक्ति 4, कॉलम 4 (शराब का तहख़ाना), हाथ में: संखिया का डिब्बा

प्रिया त्रिपाठी — पंक्ति 5, कॉलम 3 (रसोई), हाथ में: रस्मी खंजर

प्रदीप गोयल — पंक्ति 6, कॉलम 8 (नौकरों का हॉल), हाथ में: उस्तरा

सुनीता बाजपेयी — पंक्ति 7, कॉलम 5 (शराब का तहख़ाना), हाथ में: शिकारी राइफ़ल

रीता गुप्ता — पंक्ति 8, कॉलम 1 (रसोई), हाथ में: अफ़ीम के अर्क की शीशी

प्रमाणित मध्यम — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 9 जाँची गई)।

इसे सुरागों से ख़ारिज होने वाली जगहें काटकर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए मध्यम का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना और छँटाई। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 1 की है।

पहेली 6 — सोनिया तनेजा के आख़िरी घंटे

क़ातिल: विनोद देसाई — विनोद देसाई के पास हथियार था: भूसे का काँटा। पीड़ित: सोनिया तनेजा, हत्या भूसे के काँटे से।

सोनिया तनेजा — पंक्ति 1, कॉलम 3 (अनाज की कोठी), हाथ में: खींचने वाली ज़ंजीर

विनोद देसाई — पंक्ति 2, कॉलम 7 (अनाज की कोठी), हाथ में: भूसे का काँटा

राजीव संधू — पंक्ति 3, कॉलम 8 (सब्ज़ियों का बगीचा), हाथ में: बागवानी का पंजा

दीपक गिल — पंक्ति 4, कॉलम 5 (बड़ा गोदाम), हाथ में: बाड़ का खूँटा

उषा मेहरा — पंक्ति 5, कॉलम 2 (भंडारघर), हाथ में: लोहे की कड़ाही

ज्योति पारेख — पंक्ति 6, कॉलम 1 (औज़ारों का छप्पर), हाथ में: टायर खोलने का पाना

विवेक कंसल — पंक्ति 7, कॉलम 6 (भूसे की अटारी), हाथ में: तेल की लालटेन

दिव्या कपूर — पंक्ति 8, कॉलम 4 (भूसे की अटारी), हाथ में: चूहे मारने की दवा की बोतल

प्रमाणित कठिन — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 35 जाँची गईं)।

इसे सुरागों को आपस में मिलाकर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए कठिन का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना, छँटाई और आपसी संबंधों से निष्कर्ष। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 2 की है।

पहेली 7 — प्रवीण कुमार कांड

क़ातिल: सुषमा नेगी — सुषमा नेगी के पास हथियार था: ट्रेकिंग की छड़ी। पीड़ित: प्रवीण कुमार, हत्या ट्रेकिंग की छड़ी से।

सपना मलिक — पंक्ति 1, कॉलम 2 (शिल्प-घर), हाथ में: तीर

अमन गहलोत — पंक्ति 2, कॉलम 8 (दवाख़ाना), हाथ में: सिग्नल फ़्लेयर

प्रवीण कुमार — पंक्ति 3, कॉलम 5 (केबिनों की कतार), हाथ में: छोटी कुल्हाड़ी

सुषमा नेगी — पंक्ति 4, कॉलम 6 (केबिनों की कतार), हाथ में: ट्रेकिंग की छड़ी

साधना पंत — पंक्ति 5, कॉलम 3 (तीरंदाज़ी का मैदान), हाथ में: पैराकॉर्ड की डोरी

नीतू अस्थाना — पंक्ति 6, कॉलम 4 (स्टोर रूम), हाथ में: लोहे का भारी पतीला

कल्पना रस्तोगी — पंक्ति 7, कॉलम 7 (खाने का तंबू), हाथ में: कमानी आरी

सौरभ सोलंकी — पंक्ति 8, कॉलम 1 (नावघर), हाथ में: कैंप की लालटेन

प्रमाणित कठिन — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 511 जाँची गईं)।

इसे सुरागों को आपस में मिलाकर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए कठिन का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना, छँटाई और आपसी संबंधों से निष्कर्ष। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 4 की है।

पहेली 8 — चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल का रहस्य

क़ातिल: विमला पाल — विमला पाल के पास हथियार था: चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल। पीड़ित: देवेंद्र निरंजन, हत्या चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल से।

जगदीश पूनिया — पंक्ति 1, कॉलम 2 (मेस हॉल), हाथ में: आग बुझाने का सिलेंडर

लक्ष्मी प्रजापति — पंक्ति 2, कॉलम 7 (बॉयलर रूम), हाथ में: आलू मसलने का दस्ता

योगेश शास्त्री — पंक्ति 3, कॉलम 1 (रसद का कमरा), हाथ में: राइफ़ल का पट्टा

पार्वती गौतम — पंक्ति 4, कॉलम 5 (रसोईघर), हाथ में: मांस का बड़ा छुरा

महेंद्र सहरावत — पंक्ति 5, कॉलम 6 (बॉयलर रूम), हाथ में: छुरी तेज़ करने की सलाख

जितेंद्र तेवतिया — पंक्ति 6, कॉलम 8 (बर्तनख़ाना), हाथ में: ब्रेड की छुरी

देवेंद्र निरंजन — पंक्ति 7, कॉलम 4 (बिस्तरों की कतार), हाथ में: ओवन क्लीनर का डिब्बा

विमला पाल — पंक्ति 8, कॉलम 3 (बिस्तरों की कतार), हाथ में: चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल

प्रमाणित कठिन — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 157 जाँची गईं)।

इसे सुरागों को आपस में मिलाकर हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए कठिन का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना, छँटाई और आपसी संबंधों से निष्कर्ष। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 4 की है।

पहेली 9 — डिजिटैलिस की शीशी का झमेला

क़ातिल: श्याम नायर — डाइनिंग हॉल में मौजूद लोगों में हथियार सिर्फ़ श्याम नायर के पास था: डिजिटैलिस की शीशी। पीड़ित: शोभा बोस, हत्या डिजिटैलिस की शीशी से।

रामकिशन नायडू — पंक्ति 1, कॉलम 3 (मेहमानों का सुइट), हाथ में: बर्फ़ तोड़ने का सूआ

बलराम जाधव — पंक्ति 2, कॉलम 6 (होटल की रसोई), हाथ में: परदे की रस्सी

सुधा मेहरा — पंक्ति 3, कॉलम 7 (होटल की रसोई), हाथ में: नींद की दवा की शीशी

हरि शिंदे — पंक्ति 4, कॉलम 1 (होटल का बॉलरूम), हाथ में: रेशमी मोज़ा

मोहन बनर्जी — पंक्ति 5, कॉलम 8 (डाइनिंग हॉल), हाथ में: टेकने की छड़ी

शोभा बोस — पंक्ति 6, कॉलम 4 (डाइनिंग हॉल), हाथ में: भाप वाली इस्त्री

श्याम नायर — पंक्ति 7, कॉलम 5 (डाइनिंग हॉल), हाथ में: डिजिटैलिस की शीशी

ईशा भोसले — पंक्ति 8, कॉलम 2 (होटल का बॉलरूम), हाथ में: सुराही का भारी डाट

प्रमाणित विशेषज्ञ — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 1,309 जाँची गईं)।

इसे सबूतों को वापस बैठने की व्यवस्था पर लागू करके हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए विशेषज्ञ का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना, छँटाई, आपसी संबंधों से निष्कर्ष और सबूतों का मिलान। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 5 की है।

पहेली 10 — भारी स्टेपलर का झमेला

क़ातिल: अंकिता वाधवा — रिसेप्शन में मौजूद लोगों में हथियार सिर्फ़ अंकिता वाधवा के पास था: भारी स्टेपलर। पीड़ित: कपिल भसीन, हत्या भारी स्टेपलर से।

राखी चावला — पंक्ति 1, कॉलम 4 (स्टॉक रूम), हाथ में: दमकल की कुल्हाड़ी

अखिल लांबा — पंक्ति 2, कॉलम 8 (आर्काइव), हाथ में: चीनी मिट्टी का मग

किशोर अग्निहोत्री — पंक्ति 3, कॉलम 7 (आर्काइव), हाथ में: सॉल्वेंट का डिब्बा

अनुज ग्रोवर — पंक्ति 4, कॉलम 5 (सर्वर रूम), हाथ में: नेटवर्क केबल का लच्छा

अंकिता वाधवा — पंक्ति 5, कॉलम 3 (रिसेप्शन), हाथ में: भारी स्टेपलर

भावना वोहरा — पंक्ति 6, कॉलम 2 (रिसेप्शन), हाथ में: टेप डिस्पेंसर

कपिल भसीन — पंक्ति 7, कॉलम 1 (रिसेप्शन), हाथ में: लैपटॉप चार्जर का तार

गगन बजाज — पंक्ति 8, कॉलम 6 (चाय-पानी का कमरा), हाथ में: वाटर कूलर की बोतल

प्रमाणित विशेषज्ञ — एक ही हल, जिस तक सिर्फ़ तर्क से पहुँचा जा सकता है।

बैठने की ठीक एक ही व्यवस्था हर सुराग पर खरी उतरती है — यह साबित है, मान नहीं लिया गया। एक खोज ने सुरागों के हिसाब से मुमकिन बाकी हर व्यवस्था ख़ारिज कर दी (सिर्फ़ एक बचने से पहले 82 जाँची गईं)।

इसे सबूतों को वापस बैठने की व्यवस्था पर लागू करके हल किया जा सकता है, कहीं भी अंदाज़ा लगाए बिना। इससे आसान किसी तरीक़े से यह हल नहीं हो सकती — इसीलिए विशेषज्ञ का दर्जा एक माप है, राय नहीं।

ज़रूरी तरीक़े: सीधा पढ़ना, छँटाई, आपसी संबंधों से निष्कर्ष और सबूतों का मिलान। एक-दूसरे से निकलने वाले निष्कर्षों की सबसे लंबी कड़ी 2 की है।

हर पहेली कैसे हल होती है

हर केस का एक रास्ता, क़दम-दर-क़दम। यह अकेला सही क्रम नहीं है — पर ऐसा क्रम ज़रूर है जो काम करता है, जिसका हर क़दम सुरागों से साबित है और कहीं भी अंदाज़ा नहीं लगाया गया।

पहेली 1 — छुरी तेज़ करने की सलाख की जाँच

1. राजेंद्र कादियान पंक्ति 3, कॉलम 2 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

2. पार्वती सहरावत पंक्ति 5, कॉलम 4 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

3. जितेंद्र अहलावत पंक्ति 6, कॉलम 8 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

4. पुष्पा डागर पंक्ति 2, कॉलम 3 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

5. सीता गौतम पंक्ति 4, कॉलम 5 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

6. गायत्री सांगवान पंक्ति 7, कॉलम 1 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. नरेश दास पंक्ति 1, कॉलम 7 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. शैलेंद्र बालियान पंक्ति 8, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 2 — सामान के पट्टे का रहस्य

1. रामकिशन नायडू पंक्ति 2, कॉलम 4 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

2. श्याम चक्रवर्ती पंक्ति 3, कॉलम 2 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

3. बलराम सेन पंक्ति 6, कॉलम 7 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

4. नीलम मजूमदार पंक्ति 8, कॉलम 1 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

5. रजनी चटर्जी पंक्ति 7, कॉलम 5 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

6. तनु मुखर्जी पंक्ति 4, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. ओमप्रकाश पुरोहित पंक्ति 1, कॉलम 3 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. अवनीश राव पंक्ति 5, कॉलम 8 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 3 — कॉर्डलेस ड्रिल से हुई हत्या

1. विमल पुरी पंक्ति 2, कॉलम 8 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

2. प्रियंका चड्ढा पंक्ति 4, कॉलम 7 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

3. अखिल भसीन पंक्ति 7, कॉलम 4 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

4. शशि डोगरा पंक्ति 3, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

5. किशोर ओबेरॉय पंक्ति 6, कॉलम 3 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

6. सिमरन ग्रोवर पंक्ति 1, कॉलम 2 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. चेतन नौटियाल पंक्ति 5, कॉलम 1 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. कविता जग्गी पंक्ति 8, कॉलम 5 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 4 — सोनम रुंगटा को किसने मारा?

1. मेघा कोठारी पंक्ति 1, कॉलम 3 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

2. गरिमा माहेश्वरी पंक्ति 6, कॉलम 6 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

3. बबीता सेमवाल पंक्ति 2, कॉलम 7 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

4. मयंक मूंदड़ा पंक्ति 3, कॉलम 4 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

5. देवेश उनियाल पंक्ति 5, कॉलम 5 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

6. प्रमोद लोढ़ा पंक्ति 7, कॉलम 8 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. उदय डागा पंक्ति 8, कॉलम 1 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. सोनम रुंगटा पंक्ति 4, कॉलम 2 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 5 — प्रदीप गोयल कांड

1. अंजलि वर्मा पंक्ति 2, कॉलम 2 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

2. पूजा तिवारी पंक्ति 3, कॉलम 7 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

3. सुनीता बाजपेयी पंक्ति 7, कॉलम 5 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

4. रीता गुप्ता पंक्ति 8, कॉलम 1 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

5. अजय दुबे पंक्ति 1, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

6. प्रिया त्रिपाठी पंक्ति 5, कॉलम 3 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. दिनेश चौहान पंक्ति 4, कॉलम 4 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. प्रदीप गोयल पंक्ति 6, कॉलम 8 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 6 — सोनिया तनेजा के आख़िरी घंटे

1. राजीव संधू पंक्ति 3, कॉलम 8 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

2. दिव्या कपूर पंक्ति 8, कॉलम 4 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

3. विवेक कंसल पंक्ति 7, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

4. ज्योति पारेख पंक्ति 6, कॉलम 1 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

5. दीपक गिल पंक्ति 4, कॉलम 5 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

6. विनोद देसाई पंक्ति 2, कॉलम 7 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. उषा मेहरा पंक्ति 5, कॉलम 2 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. सोनिया तनेजा पंक्ति 1, कॉलम 3 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 7 — प्रवीण कुमार कांड

1. सपना मलिक पंक्ति 1, कॉलम 2 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

2. अमन गहलोत पंक्ति 2, कॉलम 8 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

3. कल्पना रस्तोगी पंक्ति 7, कॉलम 7 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

4. सुषमा नेगी पंक्ति 4, कॉलम 6 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

5. नीतू अस्थाना पंक्ति 6, कॉलम 4 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

6. सौरभ सोलंकी पंक्ति 8, कॉलम 1 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

7. साधना पंत पंक्ति 5, कॉलम 3 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. प्रवीण कुमार पंक्ति 3, कॉलम 5 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 8 — चिकनाई हटाने वाले घोल की बोतल का रहस्य

1. पार्वती गौतम पंक्ति 4, कॉलम 5 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

2. महेंद्र सहरावत पंक्ति 5, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

3. विमला पाल पंक्ति 8, कॉलम 3 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

4. योगेश शास्त्री पंक्ति 3, कॉलम 1 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

5. जितेंद्र तेवतिया पंक्ति 6, कॉलम 8 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

6. जगदीश पूनिया पंक्ति 1, कॉलम 2 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. देवेंद्र निरंजन पंक्ति 7, कॉलम 4 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. लक्ष्मी प्रजापति पंक्ति 2, कॉलम 7 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 9 — डिजिटैलिस की शीशी का झमेला

1. हरि शिंदे पंक्ति 4, कॉलम 1 में हैं — उनका अपना सुराग साफ़-साफ़ यही कहता है।

2. मोहन बनर्जी पंक्ति 5, कॉलम 8 में हैं — सबूत तय करते हैं कि उनके पास क्या था, और उसी से उनकी जगह तय होती है।

3. ईशा भोसले पंक्ति 8, कॉलम 2 में हैं — सबूत तय करते हैं कि उनके पास क्या था, और उसी से उनकी जगह तय होती है।

4. श्याम नायर पंक्ति 7, कॉलम 5 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

5. रामकिशन नायडू पंक्ति 1, कॉलम 3 में हैं — सबूत तय करते हैं कि उनके पास क्या था, और उसी से उनकी जगह तय होती है।

6. बलराम जाधव पंक्ति 2, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. सुधा मेहरा पंक्ति 3, कॉलम 7 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. शोभा बोस पंक्ति 6, कॉलम 4 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

पहेली 10 — भारी स्टेपलर का झमेला

1. राखी चावला पंक्ति 1, कॉलम 4 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

2. अखिल लांबा पंक्ति 2, कॉलम 8 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

3. भावना वोहरा पंक्ति 6, कॉलम 2 में हैं — उनके सुराग को किसी और मेहमान के सुराग से मिलाने पर एक ही खाना बचता है।

4. किशोर अग्निहोत्री पंक्ति 3, कॉलम 7 में हैं — सबूत तय करते हैं कि उनके पास क्या था, और उसी से उनकी जगह तय होती है।

5. अनुज ग्रोवर पंक्ति 4, कॉलम 5 में हैं — सबूत तय करते हैं कि उनके पास क्या था, और उसी से उनकी जगह तय होती है।

6. अंकिता वाधवा पंक्ति 5, कॉलम 3 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

7. कपिल भसीन पंक्ति 7, कॉलम 1 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।

8. गगन बजाज पंक्ति 8, कॉलम 6 में हैं — बाकी हर खाना दूसरों की तय जगहों की वजह से ख़ारिज है।